Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ अनंत चतुर्दशी पूजा विधि ॥

॥ ॐ अनन्ताय नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ भगवान अनंत की पूजा की तैयारी ॥

भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा और अनंत सूत्र धारण करने की परंपरा है। अपने शहर का पंचांग देखकर चतुर्दशी तिथि तथा पूजा समय चुनें। इस दिन गणेशोत्सव का समापन भी कई स्थानों पर होता है।

सामान्य सामग्री

भगवान विष्णु या शेषशायी अनंत का चित्र, साफ चौकी, कलश या जलपात्र, फूल, अक्षत, चंदन, धूप, दीप, फल, सात्त्विक नैवेद्य और चौदह गाँठों वाला स्वच्छ अनंत सूत्र रखें। घर की रीति में यमुना और शेषनाग का प्रतीकात्मक पूजन हो तो उसके अनुसार व्यवस्था करें।

स्नान और संकल्प

सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और पूजा स्थान साफ करें। भगवान विष्णु का स्मरण करके अपनी क्षमता के अनुसार व्रत और पूजा का संकल्प लें। उपवास का स्वरूप स्वास्थ्य तथा परिवार की परंपरा के अनुसार तय करें।

पूजा का स्थान शांत रखें और दीपक सुरक्षित जगह जलाएँ। किसी विशेष सामग्री की अनुपलब्धता में सरल जल, फूल और प्रार्थना से आराधना करें।

HarGharPanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजन और सूत्र धारण का क्रम ॥

१. आवाहन और अर्पण

भगवान अनंत का ध्यान करें। चित्र के सामने जलपात्र रखकर प्रतीकात्मक अर्पण करें। फूल, अक्षत, चंदन और नैवेद्य चढ़ाएँ। धूप-दीप दिखाएँ तथा “ॐ अनन्ताय नमः” का जप करें। चित्र पर जल न डालें।

२. कथा और आरती

सुशीला और कौण्डिल्य की अनंत व्रत कथा पढ़ें या सुनें। विष्णुजी की आरती करें और परिवार तथा सबके कल्याण की प्रार्थना करें। पूजा के बाद प्रसाद बाँटें।

३. अनंत सूत्र

चौदह गाँठों वाले सूत्र को पूजा में रखकर भगवान अनंत का स्मरण करें। फिर घर की रीति के अनुसार कलाई या बाँह पर आराम से बाँधें। इतना कसकर न बाँधें कि त्वचा पर दबाव या जलन हो।

व्रत खोलने और पुराने सूत्र को सम्मानपूर्वक हटाने की विधि परिवारों में बदलती है। घर की प्रचलित रीति अपनाएँ; चिकित्सा संबंधी कारण से सूत्र हटाना हो तो तुरंत हटाएँ।

॥ ॐ अनन्ताय नमः ॥